मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 175, मुंबई, शनिवार, 28 अगस्त, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

# दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

आपके लिए
MM MITHAIWALA
गरमा गरम नाश्ता और शुद्ध घी की मिठाइयाँ
पार्सल
zomato SWIGGY amazon.in Flipkart DUNZO
Order on WhatsApp +91 98208 99501
www.mmmithaiwala.com

# राणे की जन आशीर्वाद यात्रा फिर शुरू

## नारायण राणे बोले– मैं सभी राज जानता हूं...

# धीरे-धीरे ब्रेकिंग दूंगा

## मैंने मुंह खोला तो कई लोग नपेंगेः राणे

राणे ने कहा कि शिवसेना में कई लोग बीजेपी में शामिल होने को तैयार हैं। जो भी आएंगे हम उनका समर्थन करेंगे

**राणे ने कहा कि संजय राउत और विनायक राउत दो ऐसे 'राउत' हैं जो शिवसेना को 'डुबाने' वाले है**

**संवाददाता**

**मुंबई।** सीएम उद्धव ठाकरे के लिए थप्पड़ वाला बयान देकर गिरफ्तार और फिर जमानत पर रिहा हुए नारायण राणे ने दो दिनों के ब्रेक के बाद फिर से रत्नागिरी से जन आशीर्वाद यात्रा शुरू की। राणे के खिलाफ नासिक और पुणे समेत 4 शहरों में एफआईआर हुई है। राणे अब भी अपने बयान पर कायम हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 17 सितंबर तक राणे की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

# काबुल एयरपोर्ट धमाके के बाद मुंबई में बढ़ाई गई सुरक्षा

## संवेदनशील ठिकानों के आसपास तैनात है पुलिस

**संवाददाता**

**मुंबई।** अफगानिस्तान के काबुल एयरपोर्ट पर मिलिट्री गेट के पास सीरियल ब्लास्ट की घटना सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पुलिस के अहम पदाधिकारियों की पूरी घटना पर नजर है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

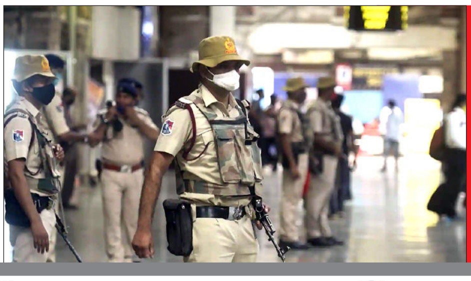

**पुलिस सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रख रही है। लोगों से अफवाहों पर भरोसा न करने की अपील की**

## अमिताभ बच्चन के सरकारी बॉडीगार्ड की सालाना कमाई डेढ़ करोड़!

# पुलिस ने किया तबादला

**मुंबई।** अमिताभ बच्चन के अंगरक्षक के तौर पर तैनात मुंबई पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल का तबादला कर दिया गया है। ऐसी खबरें आ रही थीं, कि उसकी वार्षिक आय कथित तौर पर 1.5 करोड़ रुपये है। अधिकारी ने बताया कि जितेंद्र शिंदे को 2015 में अमिताभ का अंगरक्षक नियुक्त किया गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

### देरी पर दंड

भारत में विकास से जुड़ी परियोजनाओं को समय से शुरू और पूरा करने के लिए सरकारें जितना भी करें, कम है। इसी रोशनी में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में होने वाली अनावश्यक देरी की रोकथाम के लिए जो नीतिगत बदलाव किए गए हैं, उनका हर तरह से स्वागत होना चाहिए। पहले इन परियोजनाओं में किसी भी बदलाव के लिए सैद्धांतिक मंजूरी लेने में ही महीनों लग जाते थे, लेकिन अब यह तय कर दिया गया है कि सैद्धांतिक मंजूरी रिपोर्ट अधिकतम छह महीने में सौंपनी पडेगी। यही नहीं, सलाहकार, अथॉरिटी इंजीनियर, परियोजना निदेशक को सभी मौजूदा परियोजनाओं की रिपोर्ट 31 अगस्त तक सौंपने को कहा गया है। सबसे खास बात है कि यह सिर्फ निर्देश नहीं है, अगर अब इंजीनियरों की ओर से देरी हुई, तो उन्हें दंड का सामना करना पडेगा। अभी तक जो ढर्रा रहा है, उसमें इंजीनियरों को सरकार की उदारता पर दृढ़ विश्वास है, वह मानकर चलते हैं कि सरकारें केवल बोलने का काम करती हैं, आदेश-निर्देश देकर भूल जाती हैं और काम तो अपनी गति से ही होता है। यही शर्मनाक सोच है, जिसकी वजह से भारत में शायद ही कोई ऐसी परियोजना होगी, जो समय पर पूरी हुई होगी। अगर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तय कर लिया है कि अब सड़क परियोजनाओं को हर हाल में समय पर पूरा करना है, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। कोई शक नहीं कि पिछले दो दशक में भारत में सड़कों की स्थिति में बहुत सुधार हुआ है। सड़क मार्ग से परिवहन सुगम हुआ है, लेकिन अभी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। क्या हम पांच साल की परियोजना को पांच साल से पहले पूरी नहीं कर सकते? क्या हमारे इंजीनियर मेहनती नहीं हैं? क्या उनमें समय पर काम को अंजाम देने की प्रतिभा नहीं है? ये बड़े बुनियादी सवाल हैं, जो सीधे विकास से जुड़े हैं। एनएचएआई ने 24 अगस्त को जो नीतिगत दस्तावेज जारी किया है, उसकी उपयोगिता बहुत लंबे समय से थी। परियोजनाओं के तमाम छोटे-बड़े कामों को टालने की प्रवृत्ति का अंत जरूरी है। हम बुनियादी ढांचा विकास में पहले ही बहुत पिछड़ गए हैं। भारत निवेश में अगर पिछड़ रहा है, तो खराब सड़केंभी जिम्मेदार हैं। गौरतलब है, जारी दस्तावेज या सर्कुलर में यह भी साफ कर दिया गया है कि कई मामलों में जान-बूझकर मामूली मंजूरी से जुड़ी फाइलों को भी इधर से उधर किया जाता है, ताकि ठेकेदारों को जुर्माने से बचाया जा सके। ठेकेदारों को जुर्माने से बचाने या उनकी लगाम न कसने के पीछे क्या कारण हैं, इसे समझना कठिन नहीं है। जाहिर है, परियोजना की बढ़ी हुई लागत एनएचएआई और देश को चुकानी पड़ती है। सलाहकार-इंजीनियर की सांठगांठ से ठेकेदार बच जाते हैं। सांठगांठ करके कई तरह से देश को चूना लगाया जाता है। अब यह बहुत जरूरी है कि भारत में सड़क परियोजना में होने वाली देरी के लिए जिम्मेदारी तय हो और देरी करने वाले को दंडित किया जाए। ठीक इसी तरह अन्य तरह की विकास परियोजनाओं के लिए भी नीतिगत दस्तावेज जारी होने चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि तमाम परियोजनाएं समय पर पूरी हों। परियोजनाओं को अगर पूरी तेजी से चलाया जाएगा, तो उससे समग्र आर्थिक-सामाजिक विकास में भी तेजी आएगी और रोजगार में भी वृद्धि होगी। देश का तन, मन और धन बर्बाद नहीं होगा।

# तीसरी लहर की हकीकत क्या है?

**स्पष्टता** इसलिए जरूरी है क्योंकि इस समय देश सामान्य होने की ओर बढ़ रहा है। इसका सबसे बड़ा संकेत यह है कि स्कूल-कॉलेज खुलने लगे हैं। ऐसा न हो कि तीसरी लहर की आशंका से यह प्रक्रिया रूक जाए। इसी तरह अगले चार महीने त्योहारों का सीजन होता है, जिससे देश की आर्थिकी पर बड़ा असर होता है। सो, तीसरी लहर की कोई भी भविष्यवाणी इसे भी ध्यान में रख कर की जानी चाहिए। भारत में कोरोना की तीसरी लहर आएगी या नहीं आएगी? आएगी तो कब आएगी और उसका कितना असर होगा? तीसरी लहर पूरे देश में फैलेगी या कुछ चुनिंदा राज्यों में ही असर दिखाएगी? अभी केरल को छोड़ कर देश के बाकी हिस्सों में कोरोना का संक्रमण काफी हद तक काबू में आ गया है। सो, केरल में यह स्थिति कब तक रहेगी और वहां तीसरी लहर की क्या संभावना है? ऐसे अनगिनत सवाल हैं, जिनका स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा है। सरकार की एजेंसियां कुछ और दावे कर रही हैं तो स्वतंत्र रूप से अध्ययन करने वाली एजेंसियों का दावा अलग है। ऊपर से विश्व स्वास्थ्य संगठन, डब्लुएचओ का अध्ययन अलग तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। नीति आयोग कह रहा है कि तीसरी लहर ज्यादा बड़ी होगी तो डब्लुएचओ का कहना है कि भारत में तीसरी लहर की संभावना कम है। इस बारे में स्पष्टता इसलिए जरूरी है क्योंकि इस समय देश सामान्य होने की ओर बढ़ रहा है। इसका सबसे बड़ा संकेत यह है कि स्कूल-कॉलेज खुलने लगे हैं। ऐसा न हो कि तीसरी लहर की आशंका से यह प्रक्रिया रूक जाए। इसी तरह अगले चार महीने त्योहारों का सीजन होता है, जिससे देश की आर्थिकी पर बड़ा असर होता है। सो, तीसरी लहर की कोई भी भविष्यवाणी इसे भी ध्यान में रख कर की जानी चाहिए। बहरहाल, नीति आयोग के सदस्य डॉक्टर वीके पॉल की भविष्यवाणी सबसे चिंताजनक है। डॉक्टर पॉल वैसे तो अपनी विश्सनीयता पिछले साल ही गंवा चुके हैं, जब उन्होंने कहा था कि मई 2020

तक भारत कोरोना से मुक्त हो जाएगा। हालांकि उस ऐतिहासिक गलती के बावजूद उनको नीति आयोग में सदस्य स्वास्थ्य बनाए रखा गया है और वे कोरोना पर भारत की टास्क फोर्स का भी नेतृत्व कर रहे हैं इसलिए उनकी बात को हलके में नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने भारत सरकार को बताया है कि तीसरी लहर के पीक के समय एक दिन में पांच लाख केस आ सकते हैं। ध्यान रहे कोरोना की दूसरी लहर की पीक के समय एक दिन में सबसे ज्यादा चार लाख 12 हजार केस आए थे। अब नीति आयोग का कहना है कि पांच लाख केस एक दिन में आ सकते हैं। इससे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि नीति आयोग ने इस बार अंदेशा जताया है कि तीसरी लहर में 23 फीसदी संक्रमितों को अस्पताल में भरती कराने की जरूरत पड़ सकती है। पिछले साल सितंबर में नीति आयोग ने कहा था कि दूसरी लहर में कुल 20 फीसदी संक्रमितों को अस्पताल में भरती कराने की जरूरत होगी। दूसरी लहर में एक जून 2021 को जब 18 लाख एक्टिव केस थे तब 21.74 फीसदी मरीजों को अस्पताल में भरती कराना पड़ा था। इनमें से 2.2 फीसदी आईसीयू में भरती थे। अब अगर तीसरी लहर में 23 फीसदी संक्रमितों को अस्पताल में भरती कराए जाने का अनुमान है तो इसका मतलब है कि सरकारों को ज्यादा बेड्स और आईसीयू बेड्स का इंतजाम करना होगा। इस आधार पर डॉक्टर पॉल ने सरकार से दो लाख आईसीयू बेड्स का बंदोबस्त करने को कहा है। एक दूसरी रिपोर्ट गृह मंत्रालय के तहत आने वाले नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजेमेंट, एनआईडीएम ने तैयार की है। यह रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजी गई है, जिसमें कहा गया है कि भारत में वैक्सीनेशन बहुत कम हुआ है और अगर यही स्थिति रही तो तीसरी लहर में भारत में छह लाख तक केस रोज आ सकते हैं। 23 अगस्त को बनाई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में साढ़े 10 फीसदी लोगों को दोनों टीके लगे हैं, जो कि बहुत कम है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर सरकार एक करोड़ वैक्सीन हर दिन लगाने का लक्ष्य हासिल करती है तो तीसरी लहर के दौरान दूसरी लहर की पीक के मुकाबले 25 फीसदी केस देखने को मिलेंगे। इसमें तीसरी लहर सितंबर से शुरू होने और अक्टूबर में पीक पर पहुंचने का अनुमान लगाया गया है। इसके बाद एक तीसरी रिपोर्ट आईआईटी कानपुर ने तैयार की है, जिसमें तीन संभावनाओं के बारे में बताया गया है। एक संभावना यह है कि अगर कोरोना को लेकर लगाई गई सारी पाबंदियां हटा ली गईं तो अक्टूबर के अंत तक तीसरी लहर का पीक आएगा और तब हर दिन मिलने वाले केसेज की संख्या सवा तीन लाख के करीब होगी यानी दूसरी लहर के पीक के मुकाबले कम। दूसरी संभावना यह है कि अगर वायरस का कोई नया वैरिएंट आ जाता है और देश में पाबंदियां नहीं लगी रहती हैं तो तीसरी लहर ज्यादा खतरनाक हो सकती है और पीक के समय दूसरी लहर से ज्यादा केस आएंगे। तीसरी संभावना यह है कि वायरस का संक्रमण रोकने के मौजूदा उपाय लागू रहते हैं और पीक अक्टूबर के अंत तक टलता है तो हालात कम बिगड़ेंगे। तब बहुत खराब स्थिति में हर दिन दो लाख तक केस आ सकते हैं। नीति आयोग, नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट और आईआईटी कानपुर तीनों के आंकड़ों में भिन्नता है पर एक बात कॉमन है कि सितंबर-अक्टूबर में तीसरी लहर आएगी।

# काबुलः बैठे रहो और देखते रहो ?

भारत सरकार की अफगान नीति पर हमारे सभी राजनीतिक दल और विदेश नीति के विशेषज्ञ काफी चिंतित हैं। उन्हें प्रसन्नता है कि तालिबान भारतीयों को बिल्कुल भी तंग नहीं कर रहे हैं और भारत सरकार उनकी वापसी में काफी मुस्तैदी दिखा रही है। वह जो भी कर रही है, वह तो किसी भी देश की सरकार का अनिवार्य कर्तव्य है लेकिन उसके कर्तव्य की इतिश्री यहीं नहीं हो जाती है। अफगानिस्तान में भारतीय राष्ट्रहितों की रक्षा करना उसका पहला धर्म है। इस मामले में भारत सरकार लगातार चूकती हुई दिखाई पड़ रही है। विदेश मंत्री जयशंकर ने ताजा बैठक में आज जो सफाई पेश की है, वह बिल्कुल भी संतोषजनक नहीं है। उनका कहना था कि तालिबान ने दोहा में जो समझौता किया था, उसका पालन नहीं हुआ है और भारत सरकार ने अभी तक 'बैठे रहो और देखते रहो' (वेट एंड वाच) की नीति अपना रखी है। पता नहीं उस बैठक में आए नेताओं ने जयशंकर की इस मुद्दे पर खिंचाई की या नहीं ? उन्हें जयशंकर से पूछना चाहिए था कि तालिबान और अफगान सरकार के बीच समझौता किसने करवाया था ?

क्या भारत सरकार ने करवाया था ? वह समझौता अमेरिका ने करवाया था। समझौता लागू न होने पर अमेरिका को नाराज होना था लेकिन उसकी जगह आप नाराज हो रहे हैं? यह नाराजी फर्जी है या नहीं ? अमेरिका का सर्वोच्च जासूसी अफसर विलियम बर्न्स काबुल जाकर तालिबान नेताओं से बात कर रहा है और आप यहाँ दुम दबाए बैठे हैं। आप तो भागे हुए राष्ट्रपति अशरफ गनी से भी ज्यादा डरपोक निकले। उसे तो अपनी जान की पड़ी हुई थी। आपको तालिबान से क्या खतरा था? क्या दोहा समझौते के बाद तालिबान ने एक भी भारत—विरोधी बयान दिया है ? काबुल की आम जनता तालिबान से जितनी डरी हुई है, उससे ज्यादा आप डरे हुए हैं। आप हामिद करजई और डॉ. अब्दुल्ला जैसे भारत के परम मित्रों की मदद करने से भी डर रहे हैं। यदि आपकी यह दब्बू नीति कुछ हफ्ते और बनी रही तो निश्चय ही तालिबान को चीन और पाकिस्तान की गोद में बैठने के लिए आप मजबूर कर देंगे। जरा ध्यान दें कि कल लंदन में हुई जी-7 की बैठक में अध्यक्ष ब्रिटिश सांसद टोम टगनधाट ने क्या कहा है। उन्होंने कहा है कि इस समूह में भारत को भी जोड़ा जाना चाहिए, क्योंकि अफगान-उथल-पुथल का सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव भारत-जैसे देश पर ही पड़ेगा। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि विदेश सेवा का एक अनुभवी अफसर हमारा विदेश मंत्री है और हमारे पड़ौस में हो रहे इतने गंभीर उथल-पुथल के हम मूक दर्शक बने हुए हैं। अफसोस तो हमारे राजनीतिक दलों के नेताओं पर ज्यादा है, जो अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। नौकरशाहों की नीति है- बैठे रहो और देखते रहो। लेकिन नेताओं की नीति है कि बैठे रहो और सोते रहो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प ) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

# लापता सामान के बारे में शिकायत दर्ज कराने के लिए हलफनामे की जरूरत नहीं है : मुंबई पुलिस

**मुंबई।** लापता सामान या दस्तावेजों के बारे में शिकायत दर्ज कराने के लिए हलफनामा देने की जरूरत नहीं है। यह बात शुक्रवार को मुंबई पुलिस ने कही। पुलिस आयुक्त हेमंत नागराले की तरफ से जारी एक परिपत्र के मुताबिक, लापता सामान के बारे में शिकायत दर्ज करने या प्रमाणपत्र जारी करने के लिए हलफनामा मांगना अवैध कार्य है। एक अधिकारी ने बताया कि आयुक्त ने गौर किया कि अगर कोई सामान या पासपोर्ट और चेकबुक जैसे दस्तावेजों के गुम होने के बारे में शिकायत देने थाने आता है तो पुलिस उससे हलफनामे की मांग करती है। बृहस्पतिवार को जारी परिपत्र में कहा गया है कि अगर कोई पुलिस अधिकारी इस तरह का हलफनामा मांगता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

# पुणे में नाबालिग मॉडल को बेहोशी का इंजेक्शन लगा रैपर ने किया रेप

## केस दर्ज और आरोपी हुआ फरार

**पुणे।** पुणे में एक रैपर को मॉडलिंग में अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाली नाबालिग लड़की को एनेस्थीसिया (बेहोशी) का इंजेक्शन लगाकर रेप करने के आरोप में अरेस्ट किया है। युवक के खिलाफ हिंजवडी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। फिलहाल जांच जारी है और आरोपी को अभी अरेस्ट नहीं किया गया है। 28 वर्षीय आरोपी की पहचान समीर विजय भालेराव उर्फ डोनी सिंह के रूप में हुई है। आरोपी समीर एक रैपर है, जो कई लड़कियों को मॉडलिंग का काम दे चुका है। पीड़ित लड़की को मॉडलिंग का भी शौक था। इस तरह दोनों एक दूसरे के संपर्क में आए। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ती गई। इसी बीच आरोपी समीर ने कुछ दिन पहले एकतरफा प्यार में पीड़िता को प्रपोज किया, जिसे लड़की ने ठुकरा दिया था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर समीर पीड़िता के घर गया और उसके उसके भाई को धमकी दी। इसके बाद वह नाबालिग को जबरदस्ती अपने साथ उठा लाया और उसे नशीला इंजेक्शन देकर उसके साथ रेप किया।

**होश में आने के बाद पीड़िता ने दर्ज करवाया केस :** होश में आने के बाद पीड़िता हिंजेवाड़ी पुलिस स्टेशन गई और उसने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पीडिता की शिकायत के बाद समीर के खिलाफ दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले में जांच जारी है और आरोपी अभी गिरफ्त से बाहर है।

# 'पालतू पशुओं की अवैध दुकानों पर लगेगी लगाम!'

**मुंबई।** राज्य में पालतू पशुओं की अवैध दुकानों पर लगाम लग सकती है। गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को वैध दुकानों के बारे में बताने का निर्देश दिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 30 अगस्त को होगी। मुख्य न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी.एस. कुलकर्णी की पीठ शिवराज पाटणे की एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पालतू पशुओं की अवैध दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। पाटणे की वकील संजुक्ता डे ने कहा कि पालतू पशुओं की अवैध दुकानों को तत्काल बंद करने के हाई कोर्ट के 2019 के आदेश के बावजूद असंख्य दुकानें बिना आवश्यक अनुमति के चल रही हैं। वह खुद शहर के क्रॉफर्ड मार्केट और कुर्ला में पालतू पशुओं की अवैध दुकानों में गई थीं। ये दुकानें विदेशी पक्षियों और कुत्तों की प्रतिबंधित प्रजातियों की बिक्री कर रही हैं। वकील ने दलील दी कि पशु अत्याचार रोकथाम कानून 1960 में मौजूदा प्रावधानों के बावजूद राज्य में चल रही पालतू पशुओं की अधिकतर दुकानों ने लाइसेंस के लिए आवेदन नहीं दिया।

# नाबालिक 13 वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने वाले को भिवंडी पुलिस ने किया गिरफ्तार

**संवाददाता/समद खान**

**ठाणे।** बुधवार 25 अगस्त को भिवंडी शहर में नाबालिक 13 वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है। विश्वासनिय सूत्र द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश राज श्याम वर्ष 36 रहिवासी भिवंडी का ही बताया जा रहा है। यह व्यक्ति शराब के नशे में नाबालिक लड़की को एक कमरे मे बंद कर उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा, जब नाबालिक बच्ची द्वारा विरोध करने पर शराबी व्यक्ति ने बच्ची का गला दबा कर जान से मारने की कोशिश की। बच्ची के चिल्लाने पर आसपास के लोग जमा हो गये, लोगों को देख शराबी व्यक्ति घबरा कर पीछे के दरवाजे से फरार हो गया। स्थानिक लोगों की मदद से बच्ची को इस दरिंदे से बचाया जा सका और फिर लोगों ने बच्ची को परिवार वालों के हवाले कर दिया। परिवार वालों ने बच्ची की हालत देखकर तुरंत भिवंडी शहर पुलिस ठाणे मे उस व्यक्ति के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कारवाई करते हुए सीआरपीसी धारा 354 354B 509 324 323 506 8 12 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ न्यायालय ने आरोपी को 28 अगस्त तक पुलिस हिरासत मे रखने के आदेश दिए आगे की जांच पुलिस कर रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

## राणे की जन आशीर्वाद यात्रा फिर शुरू

शुक्रवार को यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने शिवसेना सांसद संजय राउत और विनायक राउत पर निशाना साधा। राणे ने कहा कि संजय राउत और विनायक राउत दो ऐसे 'राउत' हैं जो शिवसेना को 'डुबाने' वाले हैं। संजय राउत को सिर्फ बोलने के लिए ही रखा गया है। संजय राउत ने माहौल खराब करने के लिए बीजेपी की आलोचना की थी। एक पत्रकार ने विनायक राउत पर सवाल पूछा तो राणे ने कहा कि आप मूड खराब कर रहे हैं। ये नाम सुनकर अब रात का भोजन नहीं कर पाऊंगा। उन्होंने कहा कि कोरोना के नाम पर जन आशीर्वाद यात्रा रोकने का तो बहाना है। राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है, रेप हो रहे हैं। नारायण राणे ने एक बार फिर सुशांत सिंह राजपूत, दिशा सालियान का मामला उठाया और बिना किसी का नाम लिए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि नारायण राणे के पीछे मत लगो, नहीं तो मैं अभी थोड़ा बोल रहा हूं, फिर सब बोलने लगूंगा। हम सभी पुरानी बातें जानते हैं। तुमसे किसने कहा था कि अपने भाई की पत्नी पर तेजाब फेंको? क्या यही संस्कार हैं? उन्होंने आगे कहा, अभी थोड़ा-थोड़ा बोलूंगा, एकदम ब्रेकिंग नहीं दूंगा। राणे ने युवसेना के सचिव वरुण सरदेसाई पर भी निशाना साधा। राणे की गिरफ्तारी वाले दिन वरुण सरदेसाई ने उनके घर के बाहर हंगामा किया था। इसी पर बोलते हुए राणे ने कहा कि सरदेसाई ने हमारे घर पर हमला किया था, लेकिन अब तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वे सुन लें कि अब जो कोई हमारे घर में प्रवेश करेगा, वह अब वापस नहीं जा सकेगा। हम देखते हैं कि कैसे सरदेसाई वापस आते हैं।

## काबुल एयरपोर्ट धमाके के बाद मुंबई में बढ़ाई सुरक्षा

मुंबई पुलिस के जवान उन संवेदनशील जगहों पर तैनात हैं, जहां विदेशी पर्यटकों की तादाद अधिक रहती है। इसके अलावा एयरपोर्ट के अंदर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सभी ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास जांच प्रक्रिया तेज कर दी गई है। हालांकि, कोविड नियमों के चलते इन जगहों पर कम लोग ही दिखाई देते हैं। पुलिस सोशल मीडिया पर भी पैनी नजर रख रही है। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर भरोसा न करने की अपील की है। गौरतलब है कि गुरुवार शाम को काबुल एयरपोर्ट पर आतंकी हमले में खबर लिखे जाने तक 11 लोगों के मारे जाने और 15 लोगों के जख्मी होने की जानकारी मिली है।

## अमिताभ बच्चन के सरकारी बॉडीगार्ड की सालाना कमाई डेढ़ करोड़!

दक्षिण मुंबई के डीबी मार्ग थाने में उसका तबादला किया गया है और यह एक नियमित तबादला है। 15 दिन पहले उसका तबादला किया गया था और यह आधिकारिक तौर पर उस समय एक पुलिस नोटिस में प्रकाशित किया गया था। अधिकारी ने बताया कि बच्चन को मुंबई पुलिस ने 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान कर रखी है। 2015 में अभिनेता के अंगरक्षक के तौर पर तैनात किए जाने के बाद वह उनके सुरक्षा कवच का हिस्सा बने थे। दिशा-निर्देशों के अनुसार कोई पुलिस कॉन्स्टेबल पांच साल से अधिक समय तक एक पद पर नहीं रह सकता। पुलिस विभाग के सूत्रों ने बताया कि शिंदे भरोसेमंद अंगरक्षकों में से एक हैं और उन्हें बच्चन के साथ उनके सुरक्षा कवच में कई बार देखा गया। उनकी पत्नी एक एजेंसी चलाती है, जो कई बड़ी शख्सियतों को सुरक्षा मुहैया कराती है। राज्य सरकार इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या शिंदे ने पुलिस विभाग को अपनी सम्पत्ति का ब्योरा मुहैया कराया था या नहीं।

# सरकार प्रमुख करदाताओं को छूट देने फेसलेस योजना बनाएगी लचीली

संवाददाता / नई दिल्ली

सरकार मानव हस्तक्षेप के बिना (फेसलेस) कर आकलन योजना में बदलाव की संभावना पर विचार कर रही है। इस कदम का मकसद 200 करोड़ रुपए से अधिक आय वाले प्रमुख करदाताओं को छूट देना है, जिसमें वे अपनी मर्जी से फेसलेस या क्षेत्राधिकार आकलन को अपना सकते हैं।

- फेसलेस आकलन के दौरान स्थानीय और क्षेत्रीय सीमाओं की अड़चनों को दूर करने पर भी चर्चा

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय कराधान और पूंजी लाभ जैसे क्षेत्रों से संबंधित मामलों को कर विभाग के अंतर्गत विशेषज्ञ टीम द्वारा देखा जाएगा और जरूरत पड़ने पर जटिल मामलों को पहले की तरह क्षेत्राधिकार आकलन अधिकारी के पास भेजा जाएगा। इसके साथ ही फेसलेस आकलन के दौरान स्थानीय और क्षेत्रीय सीमाओं की अड़चनों को दूर करने पर भी चर्चा की गई।

## 200 करोड़ रुपए से अधिक आय वाले करदाता किए जा सकते हैं शामिल

### करदाता कई प्रकार की चिंता जता चुके

पिछले साल शुरू की गई इस योजना पर करदाताओं द्वारा कई प्रकार की चिंता जताए जाने के बाद चर्चा शुरू की गई है। कुछ करदाताओं ने तो फेसलेस व्यवस्था को अदालत में भी चुनौती दे डाली है। शीर्ष करदाताओं को लचीलापन प्रदान करने पर उक्त सूत्र ने कहा कि 200 करोड़ रुपए से अधिक आय वाले जटिल मामलों पर चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि केवल 1 से 1.5 लाख मामलों को सालाना जांच के लिए लिया जाता है, जो कुल करदाता आधार का करीब 0.5 फीसदी हैं और इनमें ही ज्यादातर जटिल मामले होते हैं।

### फेसलेस योजना अभी आकार ले रही

'वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग को उद्योग के हितधारकों से इस तरह के कई सुझाव प्राप्त हुए हैं। हम प्रत्येक प्रस्ताव के गुण-दोष का मूल्यांकन कर रहे हैं और देख रहे हैं कि इसमें किसी बदलाव की गुंजाइश है या नहीं।' उन्होंने कहा, 'फेसलेस योजना अभी आकार ले रही है, ऐसे में इसे करदाताओं लिए व्यावहारिक बनाने पर लगातार काम करने की जरूरत है। इस योजना का मकसद भ्रष्टाचार खत्म करना और करदाताओं की असुविधा दूर करना है।'

### नई व्यवस्था का मकसद त्वरित समाधान

एक अन्य अधिकारी ने कहा कि नई व्यवस्था का मकसद ऐसे मामलों का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है। हालांकि फेसलेस आकलन योजना के कारण कुछ मामलों में देरी हो रही है और करदाताओं को असुविधा भी हो रही है। लेकिन सुझावों की व्यवहार्यता देखने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। छोटे करदाताओं को इस तरह का लचीलापन देने का भी विचार आया है।

## प्रवासी मजदूर, रेहड़ी-पटरी वाले और घरेलू कामगार करा सकेंगे पंजीयन

# असंगठित श्रमिकों का डाटाबेस तैयार करने सरकार ने शुरू किया ई-श्रम पोर्टल

संवाददाता / नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने अपनी सोशल सिक्योरिटी स्कीमों का लाभ असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक सीधे पहुंचाने के लिए गुरुवार को ई-श्रम पोर्टल लांच किया। इस मौके पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेंद्र यादव और श्रम राज्य मंत्री रामेश्वर तेली मौजूद थे। पोर्टल के लांच होने के तुरंत बाद ही इस पर असंगठित सेक्टर के वर्करों का रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया।

लांचिंग के अवसर पर श्रम राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के वर्कर इस पोर्टल पर खुद या कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के जरिए पंजीकरण करा सकेंगे। वे इसके लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर जाते हैं तो उनको कोई शुल्क नहीं देना होगा। उन्होंने कहा कि सीएससी को हर पंजीकरण के लिए सरकार की तरफ से 20 रुपए दिए जाएंगे।

## वर्करों का रजिस्ट्रेशन फ्री होगा, सेंटर को हर पंजीयन पर मिलेंगे 20 रुपए

### आधार नंबर और बैंक खाते की जानकारी देना जरूरी

सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के साथ नेशनल टोल फ्री नंबर 14434 भी जारी किया है। वर्कर इस नंबर पर फोन करके पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए जरूरी जानकारी ले सकेंगे। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के लिए आधार नंबर और बैंक खाते की जानकारी देना जरूरी होगा। वर्करों को पोर्टल पर जन्म तिथि, मोबाइल नंबर, होमटाउन और सोशल कैटेगरी जैसी जरूरी जानकारी भी दर्ज करानी होगी।

### वर्कर्स को नेशनल करियर सर्विस से जोड़ा जा सकेगा

10 से कम संगठन वाले वर्कर्स इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। उन्हें स्किल, एजुकेशन, रहने की जगह के आधार पर जरूरी सुविधाएं दी जा सकेंगी। उनके लिए स्किल अपग्रेडेशन का काम किया जाएगा। आगे चलकर उन्हें नेशनल करियर सर्विस से भी जोड़ा जा सकेगा।

*स्कीमों को जन-जन तक पहुंचाएगा ई-श्रम पोर्टल : मंगलवार को केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंदर यादव ने ई-श्रम पोर्टल का लोगो लांच किया था। इस मौके पर यादव ने कहा था कि यह 'हमारे राष्ट्र निर्माताओं, हमारे श्रम योगियों' का नेशनल डेटाबेस होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का मकसद अपनी सोशल सिक्योरिटी स्कीमों को जन-जन तक पहुंचना है।*

*404 करोड़ रुपए का बजट: श्रम राज्य मंत्री ने कहा कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के बाद अलग से सरकार की किसी और सोशल सिक्योरिटी स्कीम के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराना होगा। श्रमिकों को पोर्टल पर पंजीकरण पर मिलने वाला 12 डिजिट का ई-श्रम कार्ड पूरे देश में वैध होगा।*

### घरेलू कामगार करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

ई-श्रम पोर्टल स्कीम के जरिए सरकार असंगठित क्षेत्र के 38 करोड़ वर्करों का डेटाबेस बनाना चाहती है। इसका मकसद केंद्र की सोशल सिक्योरिटी स्कीमों को इंटीग्रेट करना है। इस डेटाबेस में मजदूर, प्रवासी मजदूर, रेहड़ी-पटरी वाले, घरेलू कामगार, कंस्ट्रक्शन वर्कर, गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर, खेतीहर मजदूर और असंगठित क्षेत्र के दूसरे वर्कर रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे।

### टेली कॉल सेंटर भी बनाया जाएगा

पोर्टल की लांचिंग के मौके पर भूपेंद्र यादव ने कहा कि सरकार श्रमिकों को पंजीकरण में मदद के लिए एक टेली कॉल सेंटर भी बनाएगी। यहां से शुरुआत में हिंदी और अंग्रेजी, लेकिन आगे चलकर दूसरी भारतीय भाषाओं में भी जानकारी ली जा सकेगी।

# 1 सितंबर से कार के लिए ओन डैमेज कवरेज जरूरी

संवाददाता / नई दिल्ली

मद्रास हाई कोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाते हुए आगामी 1 सितंबर से कार के लिए ओन डैमेज कवरेज जरूरी कर दिया है। अभी तक गाड़ियों के लिए थर्ड पार्टी इंश्योरेंस कवरेज भी जरूरी था।

- मद्रास हाई कोर्ट के फैसले से इंश्योरेंस कंपनियों को फायदा होगा

मद्रास हाई कोर्ट के इस फैसले से खासकर जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को फायदा मिलना तय है। ओन डैमेज प्रीमियम बढ़ने से जनरल इंश्योरेंस कंपनियों को बड़ा फायदा होगा। कार चलाने वालों को थर्ड पार्टी प्रीमियम की जगह ओन डैमेज प्रीमियम के लिए बड़ी रकम देनी होगी।

### थर्ड पार्टी इंश्योरेंस

ध्यान देने वाली बात है कि थर्ड पार्टी इंश्योरेंस एक तरह का इंश्योरेंस कवर है जहां बीमाकर्ता थर्ड पार्टी वाहन, पर्सनल प्रॉपर्टी और शारीरिक चोट को होने वाले नुकसान से सुरक्षा प्रदान करता है। मद्रास हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि फिलहाल पांच साल के बाद, बंपर से बंपर पॉलिसी की अनुपलब्धता के चलते, कवरेज को बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है।

### नई कार की बिक्री के समय ही होगा जरूरी

इस फैसले से अब नई कार की बिक्री के समय बंपर टू बंपर इंश्योरेंस (ओन डैमेज कवरेज) को जरूरी बनाया गया है। इस व्यवस्था के मुताबिक कवरेज में ड्राइवर, पैसेंजर्स और कार मालिक की सुरक्षा 5 साल तक के लिए सुनिश्चित की जाएगी। ओन डैमेज कवरेज के बाद कार मालिक को ड्राइवर पैसेंजर्स और थर्ड पार्टी और खुद के हितों की रक्षा करने में सावधानी बरतनी चाहिए।

## एचडीएफसी बैंक ने एटी-1 बांड को सूचीबद्ध किया

**नई दिल्ली।** निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने गुरुवार को कहा कि उसने गुजरात इंटरनेशनल वित्त प्रौद्योगिकी सिटी (गिफ्ट- सिटी) स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बाजारों में अपने एक अरब डॉलर के अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड को सूचीबद्ध किया है। इंडिया आईएनएक्स और एनएसई आईएफएससी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को दर्शाती है।

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा

# 9 मामले दर्जकर सीबीआई ने शुरू की जांच-पड़ताल

संवाददाता / नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा मामले को लेकर हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने अब तक 9 मामले दर्ज कर लिए और जांच शुरू कर दी है। यह जानकारी सीबीआई सूत्रों से मिली। सूत्रों के मुताबिक सीबीआई की टीम बंगाल में हिंसा वाली जगह जांच करने भी पहुंच गई है। वहीं, इससे पहले सोमवार को सीबीआई की टीम कोलकाता पहुंची थी। सीबीआई टीम हिंसा में मारे गए भाजपा कार्यकर्ता अभिजीत सरकार के घर जाकर उसके भाई से मिली और बाद में उन्हें अपने साथ बयान दर्ज करवाने के लिए निजाम पैलेस ले गई थी। अभिजीत सरकार की इसी साल चुनाव के नतीजों के बाद 2 मई को बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

### जांच एजेंसी ने बंगाल को चार जोन में बांटा

*अभिजीत के परिवार का आरोप था कि कोलकाता पुलिस उनकी एफआईआर तक नहीं दर्ज कर रही थी। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद शव का दोबारा पोस्टमॉर्टम कराया गया था। बाद में डीएनए टेस्ट भी कराया गया था। कोलकाता हाई कोर्ट ने बीते गुरुवार ही सीबीआई को बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा और हत्याओं के मामले की जांच का आदेश दिया था। इसके बाद सीबीआई ने शनिवार को चुनाव बाद हत्या, रेप और उत्पीड़न के कथित केसों की जांच के उद्देश्य से बंगाल को चार जोन यानी नॉर्थ बंगाल, साउथ बंगाल, वेस्टर्न जोन और कोलकाता में बांटा था।केंद्रीय एजेंसी ने मामले की जांच के लिए चार स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीमों का भी गठन किया।*

## अब केवल 71 दिन, ममता की कुर्सी बचाने चुनाव आयोग पहुंची टीएमसी

पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में काबिज हुईं ममता बेनर्जी के लिए कुर्सी की चिंता बरकरार है। यदि अगले 71 दिन में वह विधायक नहीं बनीं तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। यही वजह है कि तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को एक बार फिर चुनाव आयोग जाकर यह अपील की कि राज्य में जल्द से जल्द उपचुनाव कराया जाए। ममता को सीएम बने रहने के लिए 5 नवंबर तक विधानसभा का सदस्य बनना होगा।

## पश्चिम रेलवे पर रविवार, 29 अगस्त, 2021 को कोई जम्बो ब्लॉक नहीं

**मुंबई।** पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस यार्ड में 30 एवं 31 अगस्त, 2021 की मध्यरात्रि में एक जम्बो ब्लॉक रखा जायेगा। तदनुसार, पश्चिम रेलवे के मुंबई उपनगरीय खंड पर रविवार, 29 अगस्त, 2021 को कोई दिवसकालीन जम्बो ब्लॉक नहीं होगा।

## अमृतसर में सिद्धू का बड़ा बयानः कहा- फैसले लेने का पूरा अधिकार मिला तो पंजाब में 20 साल रहेगी कांग्रेस सरकार

**अमृतसर।** पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि वह फैसले लेने के अधिकार के बिना काम नहीं कर सकते। उन्हें अगर मुकम्मल तौर पर फैसले लेने का अधिकार दिया गया तो पंजाब में अगले 20 सालों तक कांग्रेस की ही सरकार रहेगी। सिद्धू ने यह बात अपने सलाहकार के इस्तीफा देने के बाद गुरुवार रात अमृतसर के एक रिसोर्ट में पंजाब के व्यापारियों और उद्योगपतियों के एक कार्यक्रम में कही।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## समस्तीपुर हलचल

# मुसरीघरारी थाना क्षेत्र में बालू गिट्टी व्यवसाई के हत्या के मामले में पुलिस को मिली सफलता, गिरफ्तार हुए अपराधी

**समस्तीपुर (जकी अहमद)।** मुसरीघरारी थाना क्षेत्र के बरबट्टा ग्राम के सुनसान सड़क पर राजेश कुमार सिंह उर्फ राजू पे0 राम कुमार सिंह की अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस संबंध में कांड सं0 99/21 दि0 10.08.21 धारा 302 / 34 भा0द0वि0 एवं 27 आर्स एक्ट विरूद्ध अज्ञात दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है। मृतक राजेश कुमार सिंह मुसरीघरारी एनएच किनारे गिट्टी-बालू का व्यवसाय करते थे। चूंकि सुनसान स्थल पर हत्या हुई थी। घटना का कोई प्रत्यक्षदर्शी नही था। अतः कांड का उद्भेदन काफी चुनौतीपूर्ण था। वर्तमान पुलिस अधीक्षक समस्तीपुर के नेतृत्व में घटना का उद्भेदन कर लिया है। साथ ही घटना में शामिल एक मुख्य शूटर चंदन कुमार सिंह तथा एक सहयोगी विक्की पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। अभियुक्तो की गिरफ्तारी में पु0अ0नि0 संजय कुमार सिंह, थानाध्यक्ष मुसरीघरारी थाना तथा पु0अ0नि0 मुकेश कुमार, मुसरीघरारी थाना की भूमिका सराहनीय रही है। अन्य अभियुक्त की गिरफ्तारी

हेतु छापेमारी चल रही है। दोनों गिरफ्तार अभियुक्त से विस्तृत पुछताछ एवं तकनीकि अनुसंधान से घटना में शामिल सभी अपराधियो की पहचान तथा घटना के कारणो का खुलासा हो गया है। षडयंत्र में शामिल लोगो की भी पहचान हो चुकी है। तकनीकि अनुसंधान से सभी की संलिप्तता स्थापित है। घटना में शामिल पाँच अभियुक्तो की पहचान हुई है, जिसमें शूटर के रूप में पकडे गए अभियुक्त चन्दन कुमार सिंह के अलावा सूरज कुमार सिंह पे० राम किशोर सिंह ग्राम बरबट्टा तथा आमिर पे० स्व० फुल अहमद ग्राम सातनपुर थाना उजियारपुर शामिल है। इन तीनों के द्वारा अपाची बाईक से पीछा करते हुए सुनसान स्थल पर हत्या की गई थी स्कोर्पियो का प्रयोग अपराधियो के द्वारा कमला, उजियारपुर से ग्राम बरबट्टा आने में तथा पुनः घटना के पश्चात भागने में किया गया था। उक्त स्कोर्पियो को बरामद कर लिया गया है। विक्की पासवान स्कोर्पियो का चालक है। इसके अलावा अन्य दो लाईनर की पहचान हुई है। इस घटना के पीछे के षड़यंत्र में शामिल अन्य अपराधियों की भी पहचान हो गई है। शीघ्र ही उनकी गिरफ्तारी कर ली जायेगी।

**घटना का कारणः-** घटना का कारण गांव से ही जुडा हुआ है। यह पाया गया है कि मृतक के गांव में मनरेगा के तहत एक पुलिया का निर्माण किया गया है। मृतक का पुल के निर्माण स्थल को लेकर ग्रामीण सुरज सिंह पे0 राम किशोर सिंह ग्राम बरबट्टा से विवाद हो गया था। पुछताछ में यह भी स्पष्ट हुआ है कि मृतक द्वारा एक बेगूसराय की किसी महिला को अन्यत्र किराये पर रखा गया था। अभियुक्तो को भी उसके बारे में जानकारी थी और वे मृतक को इसे लेकर अवांछित रूप से तंग कर रहे थे। उस महिला को लेकर भी मृतक का विवाद अभियुक्तो से था। इन्ही दोनों कारणो के तहत हत्या की गई है।

**गिरफ्तार अपराधियों का नाम-पताः-**

01. चंदन कुमार सिंह पे0 बंगाली महतो ग्राम भगवानपुर, कमला थाना उजियारपुर

02. विक्की पासवान ग्राम रायपुर थाना उजियारपुर दोनों जिला समस्तीपुर।

## राजस्थान हलचल

## महिला उन्नती संस्था भारत की ओर से महाराष्ट्र प्रवक्ता के रूप में श्रीदेवी पाटील का चयन

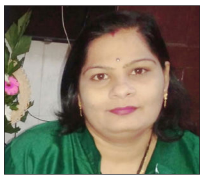

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**मुंबई।** भारत की आदर्श महिला संघटन नई दिल्ली के महिला उन्नती संस्था के महाराष्ट्र राज्य प्रवक्ता के रूप मे सांगली की महिला कार्यकर्ती एवम इंडियन रिपोर्टर असोसिएशन नई दिल्ली महाराष्ट्र राज्य जनरल सेक्रेटरी श्रीदेवी पाटील का कार्य सराहनीय होने पर चयन किया गया श्रीमती पाटील इनोने महाराष्ट्र के अनेक जीलो मे इंडियन रिपोर्टर असोसिएशन के माध्यम से पत्रकार ओ का संघटन मजबूत करने का कार्य पिछले 1 वर्षे से शुरू किया आज उनके कार्य की सराहना और कार्य देखकर दिल्ली की सामाजिक संघटना महिला उन्नती संघ पर महाराष्ट्र के प्रवक्ता के रूप मे नियुक्ती कि गई श्रीमती पाटील इनको उज्वल भविष्य के लिए और समाज सेवा के लिए हम सब पत्रकारों की ओर से बहुत बहुत बधाई एवम अभिनंदन।

# मुस्लिम महासभा देवगढ़ ब्लॉक की बैठक सम्पन्न जमीनी स्तर पर काम करके संगठन को मजबूत बनाएः राष्ट्रीय प्रमुख

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**देवगढ़।** मुस्लिम महासभा देवगढ़ ब्लॉक की एक अहम बैठक देवगढ में गुरुवार को मुस्लिम महासभा राष्ट्रीय प्रमुख फरहीन यूनुस शैख के मुख्य आतिथ्य एवं राष्ट्रीय सहसचिव जाफर खान फौजदार, जिला प्रभारी हैदर हुसैन तथा जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया गया साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष आशिक शाह ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार कर नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र भी जारी किए। जिला मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद ने बताया कि ब्लॉक अध्यक्ष आशिक शाह ने राष्ट्रीय प्रमुख, जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी की सहमति से अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए चांद मोहम्मद उस्ता को सलाहकार, शोएब छिपा को उपाध्यक्ष, हकीम खान को महासचिव, मुश्ताक मो. शोरगर को संगठन मंत्री एवं आफताब अली को प्रचार-प्रसार मंत्री पद पर नियुक्त किया साथ ही सभी नए पदाधिकारियों को राष्ट्रीय प्रमुख एवं जिलाध्यक्ष के द्वारा नियुक्ति पत्र सौंपे गए। इस दौरान राष्ट्रीय प्रमुख शैख ने कहा कि सभी पदाधिकारी जमीनी स्तर पर काम करके संगठन को मजबूत बनाए और समाज हित के कार्यो को कर समाज मे अपनी पहचान बनाए। उन्होंने सभी लोगो को कोरोना वैक्सीन लगाने एवं 5 सितंबर को दिल्ली में आयोजित मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने देवगढ़ टीम की तारीफ करते हुए कहा कि समाज के लोगो को शिक्षा के प्रति जागरूक करे और विशेष रूप से बच्चियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने का कार्य करे। राष्ट्रीय सहसचिव फौजदार ने उपस्थित लोगों को महासभा के पिछले 5 वर्षों के कार्यकाल के कार्यो का विस्तार से वर्णन किया। जिलाध्यक्ष पठान ने देवगढ़ एवं आमेट टीम की प्रशंसा की। जिला प्रभारी एवं ब्लॉक अध्यक्ष ने सभी का आभार प्रकट किया। इससे पूर्व देवगढ़ टीम ने राष्ट्रीय प्रमुख, जिलाध्यक्ष, सहसचिव का शाल एवं उपरना ओढ़ाकर ओर नए पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान रिटायर्ड नायाब तहसीलदार इकबाल मो. शैख, जिला मीडिया प्रभारी सरफराज अहमद, उपाध्यक्ष टीपू सुल्तान, चांद मोहम्मद उस्ता, मीरलाल मोहम्मद, शेरू मंसूरी, यूनुस शैख, तौफीक रंगेरज, अल्जावेद छिपा, जाकिर छिपा, आशिक मो., मेहताब अली, अक्सा शैख, मोईन खान, शोएब छिपा, हकीम खान, मुश्ताक मो. शोरगर, आफताब अली आदि मौजूद थे।

**कुतुब अली दरगाह पर की जियारत-** देवगढ़ दौरे पर आई मुस्लिम महासभा राष्ट्रीय प्रमुख फरहीन यूनुस शैख ने राष्ट्रीय सहसचिव जाफर खान फौजदार, जिला प्रभारी हैदर हुसैन, जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान, देवगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष आशिक शाह के साथ कुतुब-ए-मेवाड़ हाजी एवं हाफिज सैय्यद कुतुब अली शाह की दरगाह की जियारत कर अकीदत के फूल पेश कर देश के अमन चैन ओर खुशहाली ओर संगठन की मजबूरी के लिए दुआएं मांगी।

# बाल कटाने गए 16 साल के लड़के को नाई ने कैंची घोंपी, हुई मौत

**संवाददाता/अरमान उलहक**

**गाजीपुर।** उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में बाल कटवाने को लेकर हुए विवाद में एक शख्स की हत्या हो गई, जबकि दूसरा गम्भीर रूप से घायल हो गया है। नाई ने युवक से हुए विवाद में कैंची घोंप कर हत्या कर दी जिससे सोलह वर्षीय युवक वारिस की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके दोस्त सैफ की हालत गंभीर है। दरअसल, भांवरकोल अंतर्गत पखनपुरा गांव में बाल कटवाने को लेकर स्थानीय नाई और गांव के ही कुछ लड़कों में विवाद हो गया था मामला इतना बढ़ गया कि गुस्साए नाई ने युवकों पर कैंची से हमला कर दिया। एसपी गाजीपुर डॉ. ओम प्रकाश सिंह ने इस वारदात को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल का खुद मौका मुआयना किया और अस्पताल में घायल लड़के से भी मुलाकात की. उन्होंने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी नाई आमिर और स्थानीय लोगों के बीच हुए विवाद में नाई ने कैची से युवकों पर हमला किया था जिसमें सोलह वर्षीय युवक वारिस की मौत हो गयी पुलिस मामले की तफ़्तीश में जुटी हुई है मुकदमा दर्ज कर जल्द ही आरोपियों को गिरफ़्तार कर जेल भेजा जायेगा।

## नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी ने राजधानी के 22 स्थलों पर पार्किंग बंद करा दी है, इन स्थानों पर अब पार्किंग के नाम पर कोई वसूली नहीं होगी

**संवाददाता/अरमान उलहक**

**लखनऊ।** सुविधाओं का विकास कराए बिना इन जगहों पर पार्किंग शुल्क वसूले जाने पर नगर आयुक्त ने आज गुरुवार को यह कार्रवाई की। कई माल व अस्पताल के बाहर भी पार्किंग निरस्त कर दी गयी हैं। शाहनजफ रोड स्थित सहारागंज के सामने पार्किंग, चिड़िया घर के बाहर की पार्किंग, अमीनाबाद मंदिर रोड, त्रिलोकनाथ रोड स्थित जनपथ मार्केट के बाहर, मीराबाई मार्ग स्थित श्रीराम टॉवर के बाहर, ग्लोब मेडिकेयर निराला नगर, विवेकानन्द हास्पिटल, फातिमा हास्पिटल, सरकार डायग्नोसिटीक सेन्टर के सामने, प्रगति बाजार कपूरथला, फन मॉल गोमती नगर, एसआरएस मॉल, सिनेपालिस मॉल, मेयो हास्पिटल, चन्दन हास्पिटल, प्लासियों मॉल, लोहिया हास्पिटल गोमती नगर, कानपुर रोड स्थित विशाल मेगामार्ट, विशाल मेगामार्ट आशियाना, मेगामार्ट टेढ़ी पुलिया, आरटीओ ऑफिस टान्सपोर्ट नगर, टान्सपोर्ट नगर स्थित मोरंग पार्किंग संख्या छह व पार्किंग संख्या आठ को तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए बन्द करा दिया गया है।

## मधुबनी हलचल

# बेतन नहीं मिलने से नियोजित शिक्षकों की आर्थिक स्थिति चरमराईः मशकूर आलम

**मधुबनी।** बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी के जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने कहा के विगत तीन महीनों से नियोजित शिक्षकों को वेतन नहीं मिलने से नियोजित शिक्षकों के परिवार के समक्ष भुखमरी की नौबत आ गई है। उन्होंने कहा के सरकार हमेशा स्कूल में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की बात करती रहती हैं लेकिन सरकार ये भूल जाती है के शिक्षकों से भूखे पेट गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की कल्पना करना उचित नहीं है। जिला प्रवक्ता सह जिला सचिव अरविंद नाथ झा ने कहा है नियोजित शिक्षकों को सरकार हमेशा मानसिक रूप से प्रताड़ित करती रहती है कभी बेतन के नाम पे तो कभी प्रोन्नति के नाम पर। वहीं जिला सचिव मो० एहसान और जिला उपाध्यक्ष तकी अख्तर ने कहा के हम नियोजित शिक्षक प्रोन्नति की सीमा को पार कर चुके हैं और संघ जब सरकार से प्रोन्नति की मांग करने लगी तो सरकार प्रधानाध्यापक बनने के लिए एक नई नियमावली लेकर आ गई है

इस नई नियमावली से हम शिक्षकों को कोई खास फायदा होने वाली नहीं है। वहीं प्रखण्ड अध्यक्ष बेनीपट्टी श्री अखिलेश कुमार झा और रहिका प्रखण्ड अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार राय ने कहा के संघ ने सरकार से जिला को आवंटन भेजने हेतु बार बार मांग की है लेकिन सरकार अपने हठधर्मिता पर अड़ी हुई है, मोहर्रम और रक्षाबंधन का त्यौहार वेतन नहीं मिलने से फिकी पर गई। वहीं बेनीपट्टी के शिक्षक श्री रवीन्द्र कुमार झा ने कहा के सरकार हम शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना बंद कर दे और वेतन स समय मिले इस की ओर ठोस कदम उठाए, स समय वेतन नहीं मिलने से हम शिक्षक मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं और इस स्थिति में हम से गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की कल्पना उचित नहीं है। प्रखण्ड सचिव रहिका मो० सदरे आलम ने कहा के सरकार के पुर्व घोषणा के अनुसार अप्रैल 2021 से वेतन में 15% की बढ़ोतरी होनी है और उसके लिए पोर्टल लॉन्च किया जायेगा लेकिन आज चार महीने बीत रहे हैं पोर्टल का कहीं अता-पता नहीं है।

# घुटने की बीमारी से परेशान हैं 15 करोड़ से ज्यादा लोग

हर सात मिनट में एक घुटना ट्रांसप्लांट करने और अब तक 1 लाख से ज्यादा नी ट्रांसप्लांट कर चुके देश के जाने माने ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ। विक्रम शाह ने कहा कि इस समय पूरे देश में महामारी की तरह घुटने की बीमारी बढ़ रही है। हर दूसरा या तीसरा मरीज घुटने की परेशानी से जूझ रहा है, लेकिन सरकार के पास कैंसर या अन्य बीमारी की तरह घुटना प्रत्यारोपण यानी नी ट्रांसप्लांट की रजिस्ट्री न होने की वजह से मरीजों के सही आंकड़ा का पता नहीं चल रहा है।

**15 करोड़ से ज्यादा लोग घुटने की बीमारी से पीड़ित**

गुजरात के अहमदाबाद स्थित शाल्बी अस्पताल के संस्थापक डॉ। विक्रम शाह ने कहा कि देश में 15 करोड़ से अधिक लोग घुटने की बीमारी से पीड़ित हैं। इनमें से 4 करोड़ लोगों को प्रत्यारोपण की जरूरत है। डॉक्टर ने कहा कि जिस तेजी से यह बीमारी बढ़ रही है, आने वाले कुछ सालों में आर्थराइटिस लोगों को शारीरिक रूप से अक्षम बनाने में चौथा प्रमुख कारण होगा। क्या आपको या आपके परिवार के किसी सदस्य को जॉइंट्स में दर्द रहता है?

अगर हां, तो आप ऑर्थराइटिस से पीड़ित हैं। ऐसे में समय रहते सावधानी न बरती जाए तो प्रॉब्लम दिन-प्रतिदिन बढ़ती जाती है। सेंट्रल हेल्थ मिनिस्ट्री के अनुसार, 2017 तक आर्थराइटिस की चपेट में आने वाली महिलाओं की संख्या दोगुना हो गई है। वहीं, 2019 तक आर्थराइटिस से पीड़ित लोगों की संख्या डायबीटीज के पेशेंट्स से भी ज्यादा हो जाएगी। डॉक्टरों की मानें तो आर्थराइटिस 230 तरह की होती है लेकिन इसका रूप कोई भी हो, सबसे पहले जॉइंट्स में सूजन आ जाती है। प्रॉब्लम बढ़ने पर चलने-फिरने और हिलने-डुलने में भी परेशानी होने लगती है। ऐसे में कुछ सावधानियां बरतकर आप इस समस्या से बच सकते हैं। अगर हाल की रिपोर्ट की मानें, तो भारत में हर 3 में एक महिला आर्थराइट्सि से पीड़ित है।

हाल ही में की गई एक रिसर्च के अनुसार, देश में 55 वर्ष से अधिक उम्र के 20 प्रतिशत, 65 वर्ष से अधिक उम्र के 40 प्रतिशत और 80 वर्ष से अधिक उम्र के 60 प्रतिशत लोगों को जोड़ों या घुटनों में दर्द की समस्या आम बात हो गई है। इस बारे में सीनियर ऑर्थोपेडिक व जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ बीरेन नादकर्णी बताते हैं कि आर्थराइटिस एक पेनफुल प्रोसेस है।

# लिक्विड लिपस्टिक लगाते वक्त इन जरूरी बातों का रखें ध्यान

इस समय लड़कियों के बीच लिक्विड लिपस्टिक काफी लोकप्रिय हो रही है और यह सबसे ज्यादा यूज होने वाले ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में से एक बन गई है। जिन्हें भी मेकअप का शौक है, उनके बैग में कम से कम एक लिक्विड लिपस्टिक जरूर मिल जाएगी। अन्य लिपस्टिक की अपेक्षा ये ज्यादा समय तक टिकती है और इसका कलर भी काफी इन्टेस होता है। इसका एक कोट ही आपके लिप्स को बेहद खूबसूरत कलर देता है। अगर आप भी लिक्विड लिपस्टिक की शौकीन हैं तो इन बातों को जरूर फॉलो करें...

**इसमें समय लगता है**

बाकि लिपस्टिक्स की तरह इसे झटपट नहीं लगाया जा सकता। लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय आपको धैर्य रखने की जरूरत होती है। इसे आप जल्दबाजी में कभी न लगाएं। इसे लगाते वक्त समय लें ताकि प्रॉपर आउटलाइन और फिनिशिंग दे सकें।

**मेकअप करना न भूलें**

लिक्विड लिपस्टिक काफी पिगमेंटेड होती है, इसलिए इसे लगाने के साथ-साथ मेकअप करना भी जरूरी हो जाता है। मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन लगाएं और अच्छी तरह से मेकअप करें ताकि देखने में अजीब न लगे। आप लिपस्टिक की मैचिंग का ब्लश भी यूज कर सकती हैं।

**ज्यादा लिपस्टिक न लगाएं**

लिक्विड लिपस्टिक का एक कोट काफी होता है। एक्स्ट्रा पिगमेंटेशन से बचने के लिए लिपस्टिक लगाने से पहले एक्स्ट्रा लिपस्टिक स्टिक से हटा दें। इससे आपके लिप्स को टेक्सचर भी मिलेगा और एक्स्ट्रा लिपस्टिक पर कंट्रोल भी रहेगा। ड्रेमैटिक लुक के लिए आप लिपस्टिक की एक्स्ट्रा कोट्स लगा सकती हैं।

**होंठों को मॉइश्चराइज करें**

अगर आप के होंठ अक्सर सूखे और फटे रहते हैं तो लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को मॉइश्चराइज जरूर करें। इससे आपके होंठ हाइड्रेटेड रहेंगे। लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों पर लिप बाम लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद ही लिक्विड लिपस्टिक लगाएं।

**निचले होंठ पर पहले लगाएं लिपस्टिक**

लिपस्टिक लगाने का सबसे अहम रूल है कि लिपस्टिक सबसे पहले निचले होंठ पर लगाएं और फिर दोनों होंठों को एकसाथ प्रेस करें जिससे की लिरस्टिक आपस में मिल जाए। लिप ब्रश या लिप लाइनर से होंठों को अच्छी तरह से शेप दें। ये ध्यान रखें कि लिप लाइनर का कलर लिपस्टिक से एक शेड डार्क होना चाहिए।

# सिर्फ फटे होंठ पर ही नहीं, पेट्रोलियम जेली को ऐसे भी कर सकती हैं यूज

## पेट्रोलियम जेली के हैं कई फायदे

अगर आप किसी ऐसे प्रॉडक्ट की तलाश में हैं जो आपके मेकअप को हटा सके और इसकी कीमत भी ज्यादा न हो तो इसके लिए आपको इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। पेट्रोलियम जेली ये काम तुरंत कर सकती है। इससे आपकी स्किन में जलन और इरिटेशन भी नहीं होगी , ये जेली सेन्सटिव स्किन के लिए भी बिल्कुल सेफ है। अक्सर लोग पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल मॉइश्चराइजर के तौर पर ही करते हैं लेकिन बहुत ही कम लोगों को पता है कि स्किन के लिए इसके और भी कई फायदे हैं।

**दोमुंहे बालों के लिए** - हम अपने बालों को खूबसूरत और मजबूत बनाने के लिए क्या-क्या नहीं करते हैं लेकिन फायदा बहुत कम ही देखने को मिलता है। आजकल प्लूशन की वजह से या हेयर स्टाइलिंग के लिए हीट के इस्तेमाल से बाल कमजोर और दोमुंहे हो रहे हैं। इसके अलावा सूरज की अल्ट्रा वॉयलेट किरणों से भी बाल डैमेज हो जाते हैं। अगर आप बालों के सिरों पर पेट्रोलियम जेली लगाती हैं तो दोमुहे बाल कम होने के साथ-साथ आपके बाल चमकदार भी होंगे। इसके लिए अपने हथेलियों के बीच में थोड़ा-सा पेट्रोलियम जेली लेकर रगड़ें और बाल के सिरों पर लगा लें , रिजल्ट्स आपको जल्द ही दिखने शुरू हो जाएंगे।

**हेयर डाई से स्किन पर लगने वाले धब्बे से बचाए** - ये पेट्रोलियम जेली का सबसे असरदार फायदा है। हेयर डाई से स्किन को बचाने के लिए या स्किन पर धब्बा न लगे इसके लिए पेट्रोलियम जेली को अपने बालों में लगाएं। अगर नेल पॉलिश लगाते समय भी नेल पॉलिश आपके नाखून के बाहर स्किन पर लग जाए तो आप इसे पेट्रोलियम जेली की मदद से आसानी से हटा सकती हैं।

**रेजर बर्न से राहत** - रेजर से पैरों के बाल शेव करने से पहले थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली को अपने फ्रिजर में रख दें। शेव करने के बाद इस ठंडी जेली को पैरों पर हल्के हाथों से लगाएं। इससे आपको ठंडक मिलेगी , स्किन को नमी मिलेगी और स्किन सॉफ्ट होने के साथ-साथ ग्लोइंग भी होगी।

**हाईलाइटर के तौर पर यूज** - स्किन के नैचरल ग्लो के लिए तो पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन शायद आपको पता न हो कि इसका इस्तेमाल आप हाईलाइटर के तौर पर भी कर सकती हैं। इसके लिए अपने गालों के ऐपल और ब्रो बोन्स पर थोड़ी-सी पेट्रोलियम जेली लगाएं और आपको एक सॉफ्ट ग्लो देखने को मिलेगा। इसके लिए आपको मंहगे प्रॉडक्ट यूज करने की जरूरत नहीं है।

# हेल्थ के लिए खतरनाक है ग्लूटन, जानें नुकसान से लेकर बचाव तक सबकुछ

सीलिएक बीमारी, वीट इंटॉलरंस और ग्लूटन की बातें अब अपने देश के लोगों को भी कुछ परेशान करने लगी हैं। कुछ हद तक भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि गेहूं अचानक दुश्मन कैसे हो गया? इस विषय पर देसी और विदेशी एक्सपर्ट्स से बात कर पूरी जानकारी दे रहे हैं लोकेश के. भारतीः

क्या आप जानते हैं कि ग्लूटन होता क्या है और यह क्यों खतरनाक है? दरअसल ग्लूटन गेहूं, जौ और जई (बार्ली) जैसे अनाजों में मिलने वाला एक प्रोटीन है। ग्लूटन में कई तरह के तत्व होते हैं। उनमें से एक है ग्लियाडिन (Gliadin)। ग्लूटन इसी ग्लियाडिन की वजह से खतरनाक बनता है यह सीलिएक और ग्लूटन से एलर्जी रखने वालों के लिए हानिकारक है। जब कोई ग्लूटन सेंसिटिव शख्स ग्लूटन प्रॉडक्ट खाता है तो शरीर ग्लूटन को अपना दुश्मन समझने लगता है। असल परेशानी यहीं से शुरू होती है। इसकी वजह से शरीर में कई तरह की समस्याएं पैदा होने लगती हैं। कुछ लोग बचपन से ही ग्लूटन को लेकर सामान्य नहीं होते। जिन्हें सीलिएक बीमारी होती है, उनमें ग्लूटन पूरी तरह से पच नहीं पाता और इससे छोटी आंत की म्यूकोसा लेयर को नुकसान पहुंचता है। इससे उसमें छोटे-छोटे सुराख हो जाते हैं। इस वजह से खाना पचता नहीं है और कई दूसरी तरह की समस्याएं भी हो जाती हैं। यह जन्मजात होती है।

**लक्षण** - इसके पेशंट की लंबाई कम होती है, वजन नहीं बढ़ पाता। उनमें डायरिया, एनीमिया और हड्डियों की कमजोरी जैसे लक्षण हो सकते हैं। नोटः यहां एक बात का ध्यान रखना जरूरी है कि इस तरह के लक्षण दूसरी बीमारियों के भी हो सकते हैं, इसलिए स्पेशलिस्ट डॉक्टर को दिखाने और टेस्ट कराने के बाद ही किसी नतीजे पर पहुंचा जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## शिल्पा शेट्टी ने बयां किया दर्द

**बॉलीवुड** एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इन दिनों मुश्किल वक्त से गुजर रही हैं। एक्ट्रेस के पति राज कुंद्रा को पुलिस ने अश्लील फिल्म बनाने और एप पर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पति की गिरफ्तारी के बाद शिल्पा ने अपने सभी शूटिंग शेड्यूल कैंसिल कर दिए थे और सोशल मीडिया से भी दूरी बना ली थी। कुछ समय बाद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर वापसी की थी और एक पोस्ट कर सभी से अनुरोध किया था कि उनके और परिवार की प्राइवेसी बनाए रखें और देश के न्यायपालिका के फैसले का इंतजार करें। इसके बाद शिल्पा शेट्टी काम पर भी लौट चुकी हैं। वह इन दिनों 'सुपर डांसर 4' में बतौर जज नजर आ रही हैं। हाल ही में शिल्पा शेट्टी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक किताब का पेज शेयर किया है जिसमें जीवन में की गई गलतियों के बारे में लिखा है। इसमें लिखा है कि 'गलतियां उस बकाया का हिस्सा हैं, जिसे हम उम्र भर चुकाते रहते हैं।' इसे शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, 'गलती की लेकिन ठीक है।'

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
Estd. : 2011
G.D. JALAN COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE
A sister concern of S. J. PODDAR ACADEMY (ICSE)
Admissions Open for Academic Year 2021-2022
F.Y.J.C. / S.Y.J.C. (Science & Commerce)
B.M.S. / B.A.F. / B.Sc. (I.T.)
B.Com. / B.Sc. (CBZ)
COLLEGE CODE : 527
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai – 400097.
Phone No.: 022- 40476030 www.gdjalan.edu.in